>

Title: Regarding rally by All India Extra Departmental Postal Employees Union at Jantar Mantar, New Delhi.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं एक तात्कालिक महत्वपूर्ण विषय की ओर सरकार का ध्यान आपके माध्यम से आकृष्ट कराना चाहता हूँ। अभी अखिल भारतीय अतिरिक्त विभागीय डाक कर्मचारी संघ के तत्वावधान में जंतर मंतर, संसद मार्ग पर मार्च हो रहा है। लाखों ग्रामीण डाक सेवक अपनी जायज़ मांगों और सामाजिक सुरक्षा को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, यह जो एक्स्ट्रा डिपार्टमैंटल कर्मचारी होते हैं, इनके लिए गांवों में कहा जाता है कि चाहे आंधी आए या तूफ़ान आए मगर डाकिया ज़रूर आता है। वैसे डाकियों को सरकार की ओर से कोई सुविधा नहीं है जबकि वह डाक विभाग का कर्मचारी है। 1977 में उच्चतम न्यायालय ने निर्णय लिया था कि ईडी कर्मचारी कैजुअल मज़दूर या एजेन्ट नहीं, बल्कि सिविल पद के धारक होंगे। 1984 में चतुर्थ वेतन आयोग का गठन हुआ था। उसमें ईडी कर्मचारियों और ग्रामीण डाक सेवक संबंधी मामले को सुपुर्द नहीं किया गया। मैं एक ही निवेदन करना चाहता हूँ। 1993 में डाक सेवकों की हड़ताल के बाद सरकार ने लिखित वायदा किया था कि पंचम वेतन आयोग के गठन के बाद किसी भी विभागीय अधिकारी के अधीन कोई समिति गठित नहीं की जाएगी, चाहे वह कार्यरत हो या अवकाश प्राप्त, लेकिन उच्चतम न्यायालय के अवकाश प्राप्त जज न्यायमूर्ति चरणजीत तलवार की अध्यक्षता में एक सदस्यीय न्यायिक समिति का गठन किया गया। अभी क्या किया गया है कि तलवार समिति ने ग्रामीण डाक सेवकों के मामले संबंधी अनुशंसाएं वेतन आयोग को सुपुर्द कर दी हैं जिनमें से कुछ को सरकार ने माना भी है। अभी 23 जुलाई, 2007 को ग्रामीण डाक सेवकों के मामले को शामिल नहीं करके अलग से आर.एस.नटराजन मूर्ति, सेवानिवृत्त सदस्य, डाक सेवा बोर्ड की अध्यक्षता में एक सदस्यीय आयोग का गठन किया गया है। मैं इतना ही मांग करना चाहता हूँ कि ग्रामीण डाक सेवकों की मांग और उनके मामलों में गहन अध्ययन के लिए एक सदस्यीय न्यायिक कमेटी का गठन किया जाए ताकि उनकी अनुशंसाओं पर अमल हो और सरकार के निर्देशों का भी पालन हो। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : जो असोसियेट करना चाहते हैं, वे अपना नाम भेज सकते हैं।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : डाक सेवक अल्प वेतन भोगी हैं, जिनके मामले में सरकार को संवेदनशील होना चाहिए। डाक सेवा क्षेत्र में अंतिम पंक्ति में ग्रामीण डाक सेवक ही खड़ा है, इसीलिए उनकी सामाजिक सुरक्षा पर भी ध्यान देना चाहिए।

MR. SPEAKER: All those who wish to associate may send their slips to the Table. डॉ. सत्यनारायण जटिया, श्री शाहनवाज़ हुसैन, प्रो. रासा सिंह रावत, श्री भँवर सिंह डांगावास, श्री गणेश सिंह, श्री वीरेन्द्र कुमार, प्रो. चन्द्र कुमार एवं श्री जे.एम.आरुन रशीद का नाम भी श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव द्वारा उठाए गए मुद्दे से एसोसियेट किया जाता है।